मेरे हाथों में खींच दे लकीर सांवरे

मेरे हाथों में खींच दे लकीर सांवरे,
मेरी जागेगी सोई तकदीर सांवरे ।
मेरे हाथों में खींच दे...

ऐसी ठोकर लगाई, बेडा पार कर दिया,
गौतम नारी, अहिलिआ का उद्धार कर दिया ।
हर लो हर लो, हमारी भी तुम पीड़ सांवरे,
मेरी जागेगी सोई तकदीर सांवरे ॥
मेरे हाथों में खींच दे...

छोड़ करके गरूढ़, नंगे पांव दौड़े थे,
गज के बंधन प्रभु जी, तो आप ने तोड़े थे ।
काटो काटो, पापों की ज़ंज़ीर सांवरे,
मेरी जागेगी सोई तकदीर सांवरे ॥
मेरे हाथों में खींच दे...

विष का अमृत बनाना तेरा काम है,
इस लिए दीन बंधु बाबा तेरा नाम है ।
तेरे दर्शन, को मन है अधीर सांवरे,
मेरी जागेगी सोई तकदीर सांवरे ॥
मेरे हाथों में खींच दे...

शाम सुंदर की आँखों का, तारा है तूँ ,
सारी दुनिआं में, हारे का सहारा है तूँ ।
अपनी भक्ति, की सौंप दे जागीर सांवरे,
मेरी जागेगी सोई तकदीर सांवरे ॥
मेरे हाथों में खींच दे...

धुन:- मेरे हाथों में नौं नौं चूड़िआं

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1724/title/mere-hatho-me-khich-di-lakeer-sanwre-meri-jagegi-soi-takdeer-saaware

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |